www.printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro

Henoch-Schoenlein परपूरा

के संस्करण 2016

2. निदान और उपचार

2.1 इसका निदान कैसे होता है?

HSP का निदान मुख्य रूप से लाक्षणिक और क्लासिकल परपूरा से होता है। जो की आमतौर पर शरीर के निचले भागों तक ही सीमित होता है, इसके साथ निम्नलिखित में से कम से कम एक लक्षण होना चाहिए जैसे पेट में दर्द, जोड़ों का दर्द और गुर्दे की बीमारी (अक्सर पेशाब में रक्त)। इस तरह के समान लक्षण दर्शाने वाली अन्य बीमारियों को अलग कर देना चाहिए। कभी कभी बीमारी की पुष्टि के लिए त्वचीय बायोप्सी की आवश्यकता होती है। जो कि अंगों में इम्यूनोग्लोब्युलिन (ImmunoglobulinA) की उपस्थिति को दर्शाता है।

2.2 कौनसे अन्य परिक्षण उपयोगी है?

HSP की पुष्टि के लिए कोई विशेष परीक्षण उपलब्ध नहीं है। एरिथ्रोसाइट अवसादन दर (ESR) तथा CRP) जो कि प्रणलीगत सूजन के माप हैं, सामान्य या बढ़े हुए हो सकते हैं। मल में रक्त का होना छोटी आंतो खून के रिसाव का एक लक्षण हो सकता है। बीमारी के दौरान पेशाब की जाँच गुर्दे की बीमारी का पता लगाने में उपयोगी है। अगर पेशाब में खून व् प्रोटीन जाता है, तो गुर्दा बायोप्सी की आवश्यकता हो सकती है। इमेजिंग परीक्षण जैसे अल्ट्रासाउंड कभी कभी पेट दर्द के अन्य कारणों अथवा संभवतः जटिलताओं जैसे आंतो में रूकावट का पता लगाने के लिए किए जाते है।

2.3 क्या इसका इलाज संभव है?

अधिकांश रोगी ठीक हो जाते है। और दवाओं की आवश्यकता नहीं होती है। लक्षण जारी रहने तक बच्चों को आराम जरुरी है।उपचार मुख्य रूप से, सहायक होता है। जब जोड़ों में दर्द अधिक हो तब साधारण दर्दनाशक दवाओं जैसे कि पेरासिटामोल या एन. एस. ए. आई. डी जैसे इब्रुप्रोफेन और नेपरोक्सन आदि उपयोगी है।
Corticosteroids (मुँह या कभी कभी नसों द्वारा) का उपयोग गंभीर पेट के लक्षण या खून के बहाव और कभी कभी अन्य अंगो (वृषण) से जुडे गंभीर लक्षणों में किया जाता है। गुर्दे की

बीमारी गंभीर होने पर गुर्दे की बायोप्सी की जाती है और corticosteroid / Immunosupressive दवाओं से उपचार किया जाता है।

2.4 दवाओं के बुरे प्रभाव क्या है ?

HSP के रोगियों को ज्यादातर दवाओं की आवश्यकता नहीं होती, या फिर थोड़े समय लिए ही दवाएँ दी जाती है, इसलिए कोई गंभीर बुरे प्रभाव नहीं होते हैं । गुर्दे की गंभीर बीमारी में लंबे समय के लिए Prednisone / Immunosuppresive दवाओं के उपयोग से समस्या हो सकती है।

2.5 यह बीमारी कितने लंबे दौरान तक रहती है?

बीमारी का पूरा कोर्स लगभग ४-६ सप्ताह होता है। HSP के लगभग आधे रोगियों में ६ सप्ताह के भीतर कम से कम एक बार फिर से लक्षण आ सकते है। जो पहले एपिसोड की तुलना में मंद और कम समय के लिए होता है। यह रोग की गंभीरता का संकेत नहीं है। अधिकतर रोगी पूरी तरह से ठीक हो जाते है।